IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"NIOS में अध्ययनरत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में दूरस्थ शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।"

"STUDY OF THE ATTITUDE OF DISTANCE EDUCATION IN HIGHER SECONDARY LEVEL STUDENT STUDYING IN NIOS**

श्रीमती तृप्ति सैनी
सहायक प्रोफेसर
बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

1. सार :–

प्रस्तुत षोध कार्य एन.आई.ओ.एस में अध्ययनरत विद्यार्थियों मे दूरस्थ षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करने का प्रयास किया गया। वर्तमान समय में षिक्षा की अवधारणा बहुत व्यापक हो गई है। यद्यपि अतीत में भी षिक्षा व्यक्तिगत एवं सामाजिक आवष्यकता के रूप में निर्विवाद रही है। परन्तु अब व्यक्ति एवं समाज के विकास की एक, अनिवार्यता बन गई है। 'सबके लिए षिक्षा' की अवधारणा अब सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इसिलिए विद्यार्थी दूरस्थ षिक्षा से भी षिक्षा ग्रहण कर रहे है। क्योंकि षिक्षार्थियों को अब षिक्षा के विभिन्न साधनों एवं प्रणालियों को अपनी सुविधानुसार चुनने की स्वतंत्रता प्रदान की जा रही है। जिससे विद्यार्थी कही पर भी बैठकर भी षिक्षा प्राप्त कर सकता है। इसलिए विद्यार्थियों में दूरस्थ षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया। जिससे षोध के न्यादर्ष का चुनाव सर्वेक्षण विधि द्वारा किया गया एवं आंकड़ों के एकत्रीकरण करने के लिए स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का निर्माण किया। आंकड़ो के विष्लेषण के लिए प्रतिषत सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया एवं इसके विभिन्न उद्देष्यों तदोपरान्त परिकल्पनाओं के आधार पर षोधकार्य को आगे बढाया गया। प्रतिषत सांख्यिकी से विष्लेषण व्याख्या के बाद यह निष्कर्ष निकला कि एन.आई.ओ.एस में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी दूरस्थ षिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

2. षोध का षीर्षक :–

एन.आई.ओ.एस में अध्ययनरत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में दूरस्थ षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।

3. पृष्ठभूमि :–

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सीखो अथवा नष्ट हो जाओ। प्रख्यात षिक्षाविद ए.जे टोयनबी का यह कथन और प्रासंगिक हो जाता है क्योंकि द्रुतगामी विकास और प्रतिस्पर्धा के युग में यदि नागरिक वर्तमान चुनौतियों और माँग के सन्दर्भ में स्वयं को सूचनायुक्त, सजग और माँग के सन्दर्भ में स्वयं को सूचनायुक्त, सजग और दक्ष नहीं बनाते है। तो वो विकास की मुख्य धारा से वंचित हो जाते है निरन्तर सीखने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए षिक्षा आवष्यक है। षिक्षा मनुषय को स्वतंत्र रूप से चिन्तन करने और निर्णय लेने के योग्य बनाती है।

इसलिए कहा गया है :–**''सा विद्या या विमुक्तयों''**

षिक्षा मनुष्य के ज्ञानख अभिवृत्ति व्यवहार में सकारात्मक परिवर्ततन करती है और उसके समाजोपयोगी अर्न्तदृष्टि प्रदान कर लक्ष्य के प्रति क्रियाषील बनाये रखती हे। षिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। यह विकास का मूल आधार है। किसी भी राष्ट्र का विकास षिक्षा के अभाव से असम्भव है।

वर्तमान समय में षिक्षा की अवधारणा बहुत व्यापक हो गयी है। यद्यपि अतीत में भी षिक्षा व्यक्तिगत एवं सामाजिक आवष्यकता के रूप में निर्विवाद रहीं है परन्तु अब यह व्यक्ति एवं समाज के विकास की एक अनिवार्यता बन गई है। सबके लिए षिक्षा की अवधारणा अब सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो गई है। षिक्षा के सार्वजनिक प्रयासों के परिणामस्वरूप अब यह षाला भवन की दिवारों तक सीमित नही रह गइ है। षिक्षा की एक व्यापक अवधारणा ने अब षिखा पर विद्यालय एवं षिखक के एकाधिकारा को बहुत कुछ कम कर दिया है। षिक्षार्थियेां को अब षिक्षा के विभिन्न साधनों एवं प्रणालियों को अपनी सुविधानुसार चुनने की स्वतंत्रता प्रदान की जा रही है। जिससे विद्यार्थी षिक्षा प्राप्त कर सकता है। जिसे दूरस्थ षिक्षा सरकार ने अनेक राष्ट्रिय स्तर, नेषनल स्तर पर विद्यालय की स्थापना की। जिनके अन्तर्गत (एन.आई.ओ.एस) नेषनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग एक मुक्त विद्यालय है। यह विविध आवष्यकताओं वाले अद्धेयताओं (अध्ययन करने वाले व्यक्ति) के समूह के लिए खोला गया जो कि माध्यमिक स्तर, वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की षिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय की नवम्बर 1889 मे संस्थापना कर दी। 20 अक्टुम्बर सनं 1990 संख्या एक एस–24/96 खण्ड तीन के आधार पर सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेषन द्वारा संचालित परियोजना राष्ट्रिय मुक्त विद्यालय में समाहित कर दिया गया। जुलाई 2002 मे मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इस संगठन के नाम को

परिवर्तित कर दिया और इसे नेषनल इन्सटीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग नाम दिया जिसका उद्देष्य डिग्री पूर्व स्तर तक औपचारिक षिक्षा के विकल्प के रूप में षिक्षा का प्रचार करना था।

4. अध्ययन के उद्देष्य :– ष्

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर छप्ैै में नामांकन का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की दूरस्थ शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों की छप्ैै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
4. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का ;छप्ैद्ध दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
5. छप्ैै द्वारा मूल्यांकन पद्धति के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।

5. षोध की परिकल्पनाएँ–

1. छप्ैै में अध्ययनरत विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।
2. छप्ैै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है।
3. छप्ैै द्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।
4. छप्ैै द्वारा प्रयुक्त मूल्यांकन पद्धति के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है।

6. षोध प्रविधियाँ :–

1. विधि :–प्रस्तुत अध्ययन की प्रकृति एवं प्रस्तावित उद्देष्यों को देखते हुए इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग दत्त संकलन हेतु किया गया।
2. जनसंख्या :– प्रस्तुत अध्ययन में एन.आइ.ओ.एस में पढ़ने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।
3. न्यादर्ष :–न्यादर्ष के अन्तर्गत सोद्देष्य विधि का प्रयोग करते हुए चौमू षहर के एन.आई.ओ.एस सेन्टर के उच्च माध्यमिक स्तर के 300 विद्यार्थियों का चयन किया गया।
4. उपकरण :– प्रस्तुत षोध हेतु स्वनिर्मित उपकरण 'अभिवृत्ति मापनी' का निर्माण किया गया।

   प्रस्तुत षोध में स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का निर्माण निम्न आयामों के आधार पर किया गया है।

   1. दूरस्थ षिक्षा
   2. पाठ्यक्रम
   3. सम्प्रेषण मापनी
   4. मूल्यांकन प्रक्रिया

   इन आयामों के आधार पर प्रष्नावली का निर्माण किया गया है।

- आयामों के आधार पर प्रष्नावली के अन्तर्गत 40 प्रष्नों का निर्माण किया गया है। 40 प्रष्नों को 4 भांगो में विभाजित किया गया।
- 1–10 तक के प्रष्नों का निर्माण दूरस्थ षिक्षा के आधार पर बनाया गया है।
- 11–20 तक के प्रष्नों का निर्माण पाठ्यक्रम के आधार पर बनाया गया है।
- 21–30 तक के प्रष्नों का निर्माण सम्प्रेषण माध्यमों के आधार पर बनाया गया है।
- 31–40 तक के प्रष्नों का निर्माण मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर बनाया है।
- इसी प्रकार 40 प्रष्नों का निर्माण किया इन आयामों के आधार पर बनाये गए प्रष्नों का निर्माण सकारात्मक आधार पर किया गया। 40 प्रष्न सकारात्मक बनाए गए।
- प्रष्नावली का निर्माण विषेषज्ञों के संग्रह के अनुसार किया गया। प्रष्नावली की विष्वसनीयता का मापन करने के लिए पहले परीक्षण किया फिर उसका परिणाम प्राप्त किया तथा उसके पश्चात् 15–20 दिन बाद पुनः' परीक्षण किया फिर उसका परिणाम निकला इसी प्रकार से प्रष्नावली की विष्वसनीयता की जाँच की गइ।

7. प्रदत्त संचयन :–

षोध में प्रयुक्त स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी में बनाए गए प्रष्नों के भरवाने के लिए षोधकर्त्री ने प्रष्नों को भरवाने के लिए षोधकर्त्री ने चौमू क्षेत्र के एन.आई.ओ.एस सेन्टर में जाकर अध्ययन विद्यार्थियों से अभिवृत्ति मापनी भरवाई इसके बाद षोधकर्त्री ने सांख्यिकी विधि का प्रयोग कर परिणाम प्राप्त किया। प्रस्तुत षोध में निम्न सांख्यिकी का उपयोग किया गया है।

षोध प्रतिषत सांख्यिकी का प्रयोग किया गया।

8. प्रदत्त विष्लेषण :–

परिकल्पना–''

छप्व्ै में अध्ययनरत विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।

क्र.सं.	अभिवृत्ति	प्रतिशत
1.	सकारात्मक	79.16
2.	नकारात्मक	20.84

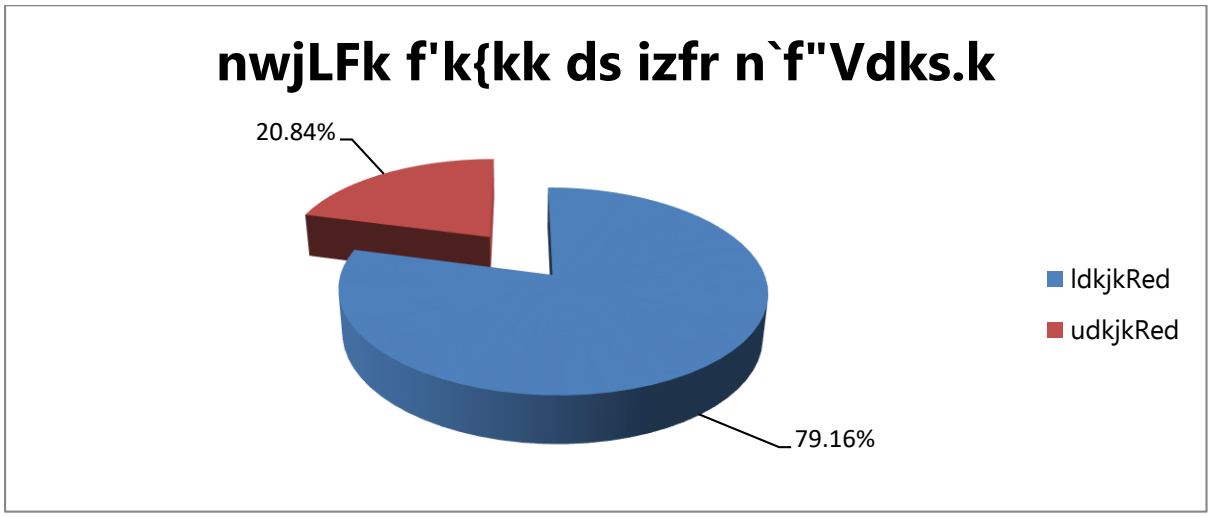

विश्लेषण एवं व्याख्याः

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि छप्पै में अध्ययनरत विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के प्रति 79ण्16ः अभिवृत्ति है। अतः इसका तात्पर्य है कि छप्पै में अध्ययनरत विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–प्प

छप्पै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है।

क्र.सं.	अभिवृत्ति	प्रतिशत
1.	सकारात्मक	75.25
2.	नकारात्मक	24.15

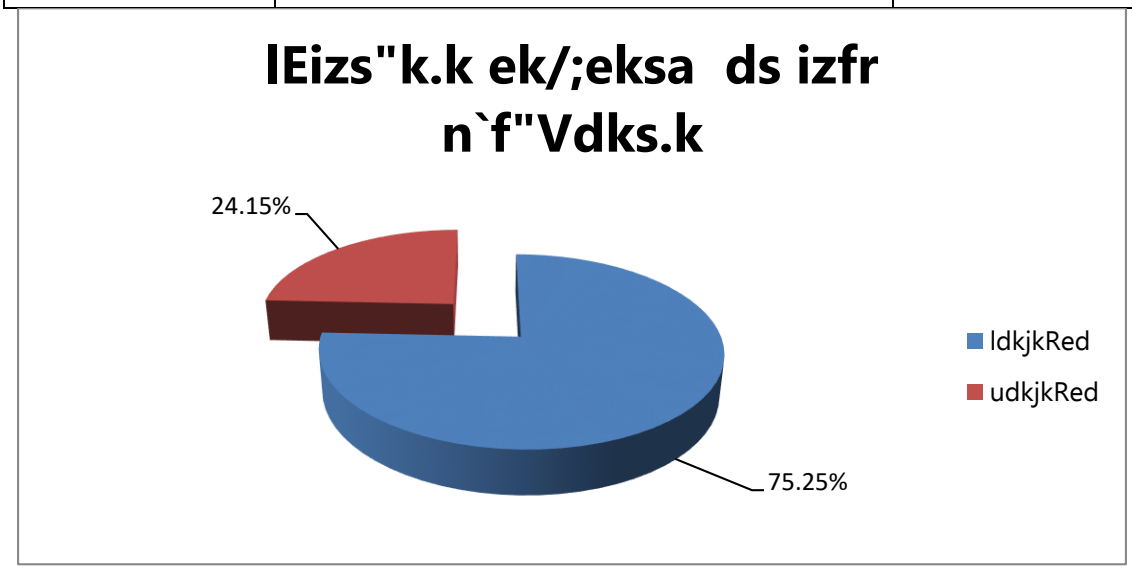

विश्लेषण एवं व्याख्याः

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि छप्पै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति 75ण्25ः अभिवृत्ति है। अतः इसका तात्पर्य है कि छप्पै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–ण्ण्

छप्पै द्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।

क्र.सं.	अभिवृत्ति	प्रतिशत
1.	सकारात्मक	89ण्91ः
2.	नकारात्मक	10ण्09ः

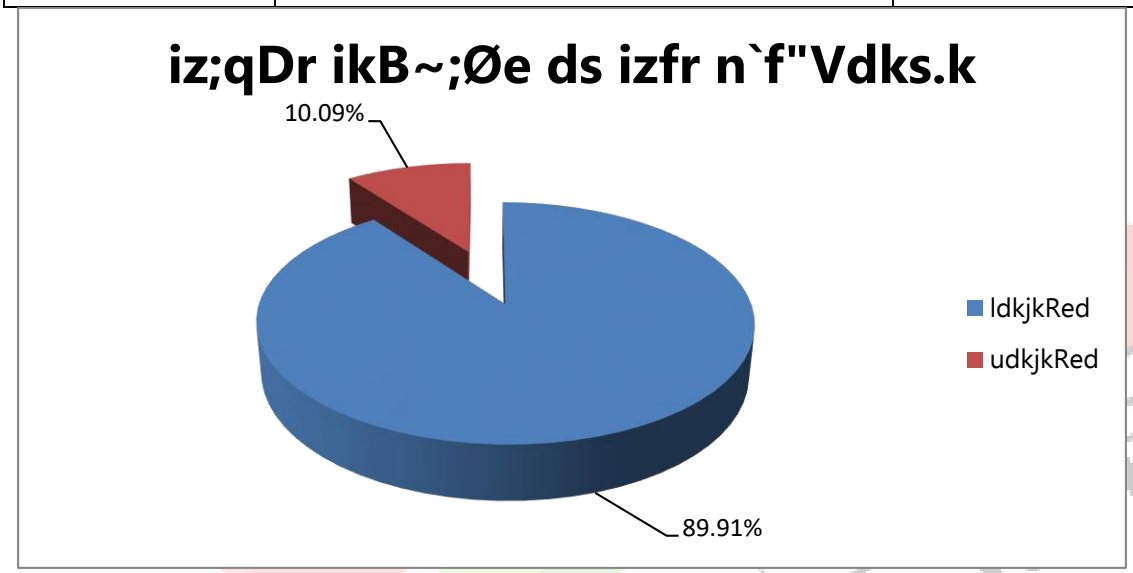

विश्लेषण एवं व्याख्याः

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि छप्पै द्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थियों की 89ण्91ः अभिवृत्ति है। अतः इसका तात्पर्य है कि छप्पै द्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–प्ट

छप्पै द्वारा प्रयुक्त मूल्यांकन पद्धति के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है।

क्र.सं.	अभिवृत्ति	प्रतिशत
1.	सकारात्मक	73ण्25ः
2.	नकारात्मक	26ण्75ः

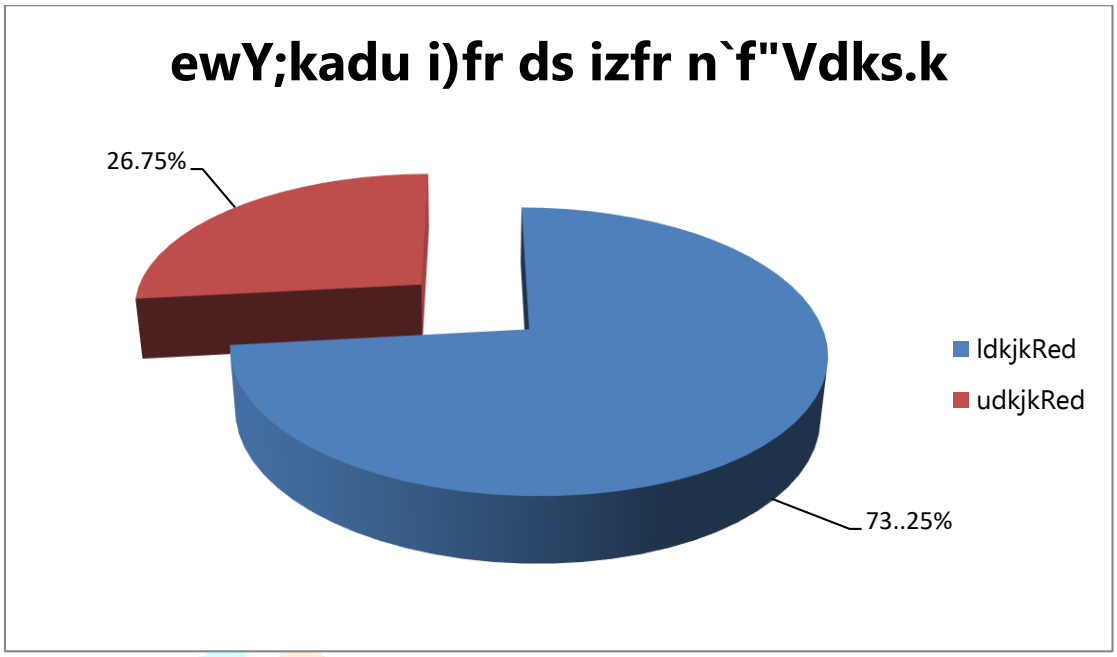

विश्लेषण एवं व्याख्याः

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि छप्ै में अध्ययनरत विद्यार्थियों का मूल्यांकन पद्धति के प्रति 73ण्25ः अभिवृत्ति है। अतः इसका तात्पर्य है कि छप्ै द्वारा प्रयुक्त मूल्यांकन पद्धति के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

8. परिणामों की विवेचना :–

परिकल्पना–ण् रू. छप्ै में अध्ययनरत विद्यार्थी दूरस्थ षिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

ष्परिकल्पना प्के परीक्षण से यह परिणाम प्राप्त हुआ कि छप्ैमें अध्ययनरत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी दूरस्थ षिक्षा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पायी गयी क्योंकि विद्यार्थियों को रोजगार के साथ–साथ दूरस्थ षिक्षा के माध्यम से षिक्षा ग्रहण करने का अवसर दिया जा रहा है। जिसके कारण विद्यार्थियों की दूरस्थ षिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

परिकल्पना–ण्ण् छप्ै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है।

ष्परिकल्पना ण्ण् के परीक्षण से यह परिणाम प्राप्त हुआ कि छप्ैमें अध्ययनरत् विद्यार्थी छप्ै द्वारा प्रयुक्त सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति विद्यार्थियों सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है क्योंकि जो विद्यार्थियों छप्ैसेंटर पर विद्यार्थियों को पढने के लिए ऑफ लाइन–ऑन लाइन दोनो प्रकार से सम्प्रेषण माध्यम उपलब्ध करवाए जाते है। इसिलिए विद्यार्थी सम्प्रेषण माध्यमों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

परिकल्पना–III :- NIOS द्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

परिकल्पना ण्ण्ण् के परीक्षण से यह परिणाम प्राप्त हुआ कि छप्ैद्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है क्योंकि सेन्टर पर जो पाठ्यक्रम उपलब्धि कराया जा रहा है। वह

ऑनलाइन व ऑफलाइन एवं हर प्रकार की भाषा व विषय में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी कारण विद्यार्थियों का छप्पैद्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

परिकल्पना–प्ट रू. छप्पै द्वारा प्रयुक्त मूल्यांकन पद्धति के प्रति विद्यार्थियों का सकारात्मक दृष्टिकोण है।

परिकल्पना प्ट के परीक्षण से यह परिणाम प्राप्त हुआ कि छप्पैद्वारा प्रयुक्त मूल्यांकन पद्धति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है। सेन्टर पर जो मूल्यांकन करवाया जाता है। वह एक बार लिखित एवं प्रायोगिक कार्य एक ही बार करवाया जाता है। जिसके कारण विद्यार्थी मूल्यांकन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।

9. षैक्षिक निहितार्थ :–

प्रस्तुत लघु षोध के षैक्षिक निहितार्थ निम्न हैः–

1. छप्पै सेन्टर पर जो विद्यार्थी ऑन–लाईन अध्ययन करना चाहे, उन्हे ऑन–लाईन व ऑफलाइन विद्यार्थियों को ऑफलाईन षिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायी जानी चाहिए।
2. छप्पै सेन्टर उचित सम्प्रेषण के माध्यम की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे विद्यार्थी की दूरस्थ षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का स्तर बढ़ सके।
3. छप्पै द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों को प्रचलित समाचार पत्र, टेलीविजन आदि में विज्ञापन दिया जाना चाहिए जिससे बालक दूरस्थ षिक्षा के प्रति जागरूक हो सके।
4. छप्पै संस्थान द्वारा चलाए गए पाठ्यक्रम सरल व सैद्धान्तिक होना चाहिए। जिससे विद्यार्थियों में सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित हो सके।
5. छप्पै संस्थान द्वारा मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुप्रयोग सरल तरीके से होना चाहिए जिसके कारण विद्यार्थी दूरस्थ षिक्षा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित कर सके।

10. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. **चार्टर वी.गुड (1993)** ''अनुसंधान परिचय'', आगरा चावला एण्ड सन्स
2. **गुप्ता एवं गुप्ता (2009)** : मुक्त एवं दूरस्थ षिक्षा, इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन। पेज नं. 29–31
3. **गुप्ता एस.पी. (2007) :** दूरस्थ षिक्षा, इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन पेज नं.
4. **जायसवाल विजय (2014) :** भारतीय आधुनिक षिक्षा – एन.सी.ई.आर.टी. पब्लिकेषन्स, नई दिल्ली, जनवरी 2014।
5. **कपिल एच. के. (2000)** ''सांख्यिकी के मूल तत्त्व'' आगरा, एच.पी. भार्गव बुक हाउस
6. **मंगल एस.के. (2008)** ''षैक्षिक अनुसंधान एवं विधियाँ'' नई दिल्ली, प्रिन्टिग हॉल ऑफ इण्डिया

7- **Sahoo P. K. (1994)** Open hearing sysem, New Delhi, Upal Publishing House ist ua- 113&114

:: पत्र–पत्रिकायें ::

1- एजुकेषनल टेक्नोलॉजी जनरल्स वॉलयूम 33, नवम्बर 2, 2018

2- इन्टरनेषनल जनरल ऑफ साइन्स एण्ड रिसर्च

3- इन्टरनेषनल जनरल फॉर रिसर्च इन एप्लाईड साइंस एंड इजिनियरिंग टेक्नोलॉजी (आई.जे.आर.ए. एस.ई.टी) वॉल्यूम 6, मई 2018

4- जनरल ऑफ इंडियन एज्यूकेषन, मई 2017

5- नई षिक्षा पद्धति, जुलाई 2018

:: WEBSITES ::

1- w.w.w. scholar.com

2- http ://www.google.com.in distance education

3- www.org.com

4- http://w.w.w. google.com.inshodhganga

5- www.nios.org

6- www.researchgate.net